

हरियाणा के गुरुग्राम में पकड़ा गया ऑनलाइन ठगी का दूसरा आरोपी

आरोपियों ने लैलंगा की एक मिस्टर से की थी 5.66 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी

आरोपी के एक और साथी को रायगढ़ पुलिस ने गुरुग्राम से ही किया था गिरफ्तार

रायगढ़। एसपी अभिषेक मीणा द्वारा ऑनलाइन फ्राड के मामलों में अज्ञात आरोपियों की पतासाजी के लिये साइबर सेल तथा विभिन्न थानों स्टाफ की संयुक्त टीम बनाकर अलग-अलग प्रांत भेजा जा रहा है। गत दिनों सीएसपी रायगढ़ के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा पश्चिम बंगाल के दमदम में साइबर ठगी के बड़े गिरोह के 22 आरोपियों को पकड़ा गया था, वहीं दिल्ली, हरियाणा रवाना हुई रायगढ़ पुलिस टीम के हाथ भी ऑनलाइन ठगी करने वाला एक

गिरोह हाथ आया। गिरोह के एक सदस्य मुन्ना सिंह को पुलिस टीम 18 नवंबर को गुरुग्राम (हरियाणा) में पकड़ा गया था जिसके फरार साथी अखलेश सिंह को पुलिस टीम 25 नवंबर को गुरुग्राम में ही पकड़ा गया। ट्रांजिट रिमांड पर रायगढ़ लाये गये दोनों आरोपियों का #लैलंगा पुलिस द्वारा घरघोड़ा न्यायालय पेश कर ज्युडिसियल रिमांड लिया गया है।

लैलंगा क्षेत्र की महिला से की गई थी ऑनलाइन ठगी- घटना के संबंध में दिनांक 08.09.2022 को थाना लैलंगा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बाईडीह सोनाजोरी निवासी सबीना मेकवान उम्र 70 साल, सिस्टर SMMI कोन्वेंट द्वारा लिखित आवेदन पत्र थाना लैलंगा में पेश कर अज्ञात आरोपी पर धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कराया गया था जिसके अनुसार दिनांक 18/08/2022 को सबीना मेकवान के मोबाइल पर UK

विदेश से व्हाटसअप मैसेज आया कि आपके संस्था को हमारी ओर से कुछ सामान व गरीबों की मदद के लिये सहायता राशि (1,00,000 Pound) भेजा जा रहा है। इन्हें व्हाटसअप के माध्यम से पार्सल सामान का फोटो दिखाया गया तो इन्हें विश्वास हुआ। दिनांक 20/08/2022 को फिर से उसी कॉलर के द्वारा कॉल कर बोला गया कि पैसा एवं पार्सल को भेजने के लिए और सामान छुड़ाने के लिए 25,000 रुपये बैंक खाता में जमा करना पड़ेगा। तब सिस्टर सबीना मेकवान दिनांक 20/08/22 को SBI NEW DELHI के गुरमीत सिंह नाम के खाता में 25,000 रुपये जमा की। रुपये जमा करने के बाद भारतीय मुद्रा को Pound में बदलने के कइने पर सिस्टर सबीना मेकवान 98,500 रुपये और जमा की। उसके बाद अज्ञात कॉलर के कइने पर सिस्टर



सबीना मेकवान अलग-अलग तारीख में 15,000 और 2,95,500 दो क्रिस्ट में 32,000 रुपये और फिर 1 लाख रुपये (कुल 566500 रुपये) STANDARD CHARTERED BANK के खाते में जमा की। दिनांक 25/08/2022 को सिस्टर सबीना मेकवान की कॉलर से अंतिम बार बात हुई थी जिसके बाद से उसका मोबाइल बंद है। सिस्टर सबीना मेकवान को शंका हुआ कि उसके साथ ठगी हुई है और उनके द्वारा आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया। लैलंगा पुलिस अज्ञात आरोपी पर अप.क्र. 267/2022 धारा 420

IPC का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। अपराध विवेचना के दरमियान एसपी अभिषेक मीणा के दिशा निर्देशन एवं एडिशनल एसपी संजय महादेवा के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी धरमजयगढ़ दीपक मिश्रा के सुपरविजन में थाना लैलंगा एवं साइबर सेल की टीम ऑनलाइन ठगी में प्रयुक्त मोबाइल को सर्विलांस में रखकर टेक्निकल एनालिसिस पर महत्वपूर्ण जानकारी निकाला गया जिस पर ज्ञात हुआ कि आरोपियों द्वारा प्रयुक्त मोबाइल हरियाणा के गुरुग्राम जिले से ऑपरेट हुआ है। एसपी अभिषेक मीणा द्वारा गठित विशेष टीम दिल्ली, हरियाणा रवाना हुई जिसे लगातार वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा साथ ही साइबर सेल की टीम रवाना हुये पुलिस दल को प्रत्येक महत्वपूर्ण जानकारी साझा किया जा रहा था।

18 नवंबर को रायगढ़ पुलिस टीम द्वारा गुरुग्राम क्षेत्र के सरहोल इलाके में संदेही मुन्ना सिंह को पकड़ा गया। पुलिस की कड़ी पूछताछ में मुन्ना सिंह बताया कि जहां वो रहता है उसी मकान के दूसरे कमरे में - सरदार, अखलेश सिंह भी रहते हैं जिसके साथ मिलकर मोबाइल और सिम बदल-बदल कर लोगों को फेक कॉल कर उन्हें ठगा करते थे। माह अगस्त 2022 में चैरिटी के नाम पर छत्तीसगढ़, रायगढ़ के लैलंगा की एक महिला सिवाना मेकवान को डोनेशन के नाम पर सामान भेजने का झांसा देकर विदेशी मुद्रा पाउंड को इंडियन रुपीस में कन्वर्ट करने का झांसा देकर ₹.565500 की ठगी करना बताया। आरोपी बताया कि गिरोह में प्रमुख सरदार नामक व्यक्ति है जिसके खाते में ठगी से प्राप्त रुपए आते थे और वह इन्हें ठगी में हिस्सेदारी देता था। इनके द्वारा भारत के विभिन्न राज्यों के

पतासाजी और दबिश के बाद पुलिस टीम गुरुग्राम के सरहोल क्षेत्र में आरोपी अखलेश सिंह पिता ठाकुरदास सिंह उम्र 23 साल हाल पता मकान नम्बर -442 सरहोल थाना सेक्टर नम्बर 18 गुरुग्राम हरियाणा को दिनांक 28.11.2022 को हिरासत में लिया गया जिसे माननीय एसीजेएम गुरुग्राम कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर रायगढ़ लाया गया, आरोपी द्वारा पूछताछ में अपराध को स्वीकार किया है। आरोपी के मेमॉरैंडम में घटना में प्रयुक्त मोबाइल की जन्वी कर आज ट्रांजिट रिमांड अवधि खत्म होने पर आरोपी को जेएमएफसी घरघोड़ा के न्यायालय पेश कर 9 दिसंबर तक जूडिशल रिमांड लिया गया है। आरोपियों का साथी सरदार फरार है। वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन पर आरोपियों की पतासाजी, गिरफ्तारी में लैलंगा एवं साइबर सेल की प्रमुख भूमिका रही है।

महत्वपूर्ण एवं खास

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में होगी चर्चा आज

रायगढ़। कलेक्टर रानू साहू के निर्देशन में 2 दिसम्बर 2022 को पूर्वाह्न 11 से 11.30 बजे तक सभी शांला महाविद्यालय प्राचार्य के साथ अपर कलेक्टर रायगढ़ द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में त्रशशहदरु रुद्ररुह पर महत्वपूर्ण चर्चा की जाएगी। जिसमें विकासखंड शिक्षा अधिकारी, उच्चतर माध्यमिक शाला एवं महाविद्यालय प्राचार्य जुड़ेंगे।

एसआईएस के द्वारा सुरक्षा कर्मी के लिए होगा पंजीयन शिविर

रायगढ़। निजी क्षेत्र की रिक्तियों में प्लेसमेंट को बढ़ावा देने के लिए एसआईएस (इंडिया) लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में सुरक्षा कार्यों के लिए आवेदित उम्मीदवारों को पंजीकृत कर प्रशिक्षणोपरांत स्थायी रोजगार उपलब्ध कराया जाना है। इस हेतु जिले के सभी जन्पद पंचायत मुख्यालय में क्रमशः 5 दिसम्बर को बरमकेला, 6 दिसम्बर को घरघोड़ा, 7 दिसम्बर को खरसिया, 8 दिसम्बर को लैलंगा, 9 दिसम्बर को पुसौर, 12 दिसम्बर को सारंगढ़, 13 दिसम्बर को तमनार, 14 दिसम्बर को धरमजयगढ़ एवं 15 दिसम्बर को रायगढ़ में शिविर का आयोजन किया जाएगा। योग्यताधारी आवेदक समस्त मूल प्रमाण-पत्रों के साथ उपस्थित होकर इस शिविर में भाग ले सकते हैं। इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए जिला रोजगार अधिकारी कार्यालय, रायगढ़ में संपर्क कर सकते हैं।

राज्य स्तरीय मेगा प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से 46 हजार से भी ज्यादा रिक्त पदों पर होगी भर्ती

रायगढ़। छ.ग.राज्य कौशल विकास प्राधिकरण रायपुर के तत्वाधान में राज्य स्तरीय मेगा प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन अपरेल, बैंकिंग एवं फायनेंसियल, आई टी, हेल्थकेयर, टूरिज्म एवं हॉस्पिटलिटी, लॉजिस्टिक्स, मेनुफैक्चरिंग, रिटेल एवं सिक्युरिटी सेक्टर अंतर्गत विभिन्न कंपनियों से प्राप्त 46 हजार 616 रिक्तियों हेतु किया जा रहा है। इच्छुक आवेदक 5 दिसम्बर 2022 तक अपना नाम, पिता का नाम, मोबाइल नंबर, आवेदित सेक्टर का नाम, आवेदित सेक्टर में प्रशिक्षित हॉन्स/इत्यादि की जानकारी कार्यालय जिला कौशल विकास प्राधिकरण रायगढ़ में उपस्थित होकर अथवा व्हाट्सअप नंबर 9131098494 पर जानकारी प्रेषित कर राज्य स्तरीय मेगा प्लेसमेंट कैम्प में भाग लेने हेतु अपना पंजीयन करा सकते हैं। रिक्तियों की विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय जिला कौशल विकास प्राधिकरण रायगढ़ के सूचना पटल एवं जिले की वेब साईट में अवलोकन किया जा सकता है।

एनएच 49 पर बस की ठोकर से अर्धे व्यक्ति की मौत

रायगढ़। दिनांक 30.11.2022 को NH 49 रायगढ़-खरसिया हाइवे ग्राम धनागर के समीप कोलकाता ढाबा के पास शाम करीब 06:30 बजे JSW ISPL कंपनी का EICHER बस वाहन क्रमांक CG 13 AT-1944, JSW नहरपाली कंपनी से रायगढ़ की ओर अपने कर्मचारियों को ले जाते समय बस का ड्राइवर वाहन को तेजी एवं लापरवाहीपूर्वक चलाते पुल के पास एक अज्ञात व्यक्ति अपने साईड में ही ठोकर मार दिया जिससे अज्ञात व्यक्ति उम्र करीब 55-60 वर्ष के सिर, हाथ, पैर में गंभीर चोट आया। घटना के संबंध में ढाबा संचालक द्वारा डॉयल 112 एवं थाना कोतारोड़ में सूचना दिया गया। डॉयल 112 द्वारा तत्काल मौके पर जाकर अज्ञात व्यक्ति को लेकर KGH अस्पताल रायगढ़ लाया गया, जहां डॉक्टर द्वारा व्यक्ति को मृत बताया गया।

युवा मतदाताओं को जोड़ने ग्राम स्तर पर चलाए मुहिम -कलेक्टर रानू साहू

रकबा वृद्धि वाले गांवों में मौका-मुआयना करने के लिए सभी एसडीएम को दिए निर्देश

कलेक्टर साहू ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

रायगढ़। कलेक्टर रानू साहू ने आज कलेक्टर सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। उन्होंने संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए शैक्षणिक संस्थाओं के साथ ही ग्राम स्तर तक मुहिम चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल और कॉलेजों में नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए वहां के प्राचार्यों से समन्वय कर फॉर्म भर्वाए। गांवों में राजीव युवा मितान क्लब, महिला स्व-सहायता समूहों और मितानियों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम चलाए और नए वोटर्स को जोड़ने फॉर्म 6 भर्वाएं।

कलेक्टर साहू ने पिछले समय-सीमा की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुसार उन्होंने रकबा सत्यापन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सभी एसडीएम से

कहा कि जिन गांवों में रकबे पंजीयन में वृद्धि मिली है, वहां मौका मुआयना करवाए, साथ ही यदि इस वर्ष नया पंजीयन है तो पिछले वर्ष पंजीयन किन कारणों से करवाया गया था, इसकी विस्तृत जानकारी दें। उन्होंने वन अधिकार पट्टों के अंतर्गत पंजीयन करवाए गए रकबों की भी विशेष रूप से सत्यापन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से पंजीयन या बिक्री नहीं होनी चाहिए। उन्होंने धान खरीदी के बारे में जानकारी लेते हुए चेकपोस्ट में नियमित रूप से जांच के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अंबिनाश मिश्रा, निगम आयुक्त संबित मिश्रा, अपर कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगडे, अपर कलेक्टर राजीव पांडे सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भेंट-मुलाकात के निर्देशों के क्रियान्वयन की भी हुई समीक्षा- कलेक्टर साहू ने बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा भेंट मुलाकात के दौरान की गई घोषणाओं और निर्देश के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की। उन्होंने विभागवार अब तक हुई प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि जिले स्तर से शेष बची कार्यवाहियां तत्काल पूर्ण कर ली जाएं। राज्य स्तर से होने वाले प्रकरणों पर अपने विभाग प्रमुखों से चर्चा कर सभी निर्देशों का क्रियान्वयन प्राथमिकता से पूरा करवाने के लिए कहा।

काम नहीं करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के लिए निर्देश

सड़क निर्माण के हर हफ्ते का टारगेट पूरा करते चले-कलेक्टर

कलेक्टर ने ली सड़कों के निर्माण के संबंध में समीक्षा बैठक

रायगढ़। सड़क निर्माण का कार्य तय समय-सीमा पर पूरा करवाना संबंधित ठेकेदार की जिम्मेदारी है। इसके लिए हर हफ्ते का अपना टारगेट पूरा करें। उक्त निर्देश कलेक्टर रानू साहू ने आज कलेक्टरट में जिले में चल रहे सड़क निर्माण की प्रगति की समीक्षा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सड़कों के निर्माण में उनके लिए तय किए गए टाइमलाइन का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। कहीं कोई दिक्कत आ रही है तो तत्काल प्रशासन को उसकी सूचना दें। उन्होंने सभी निर्माण एजेंसीज के अधिकारियों से कहा कि उनके अंडर चल रहे कार्यों की फील्ड से मॉनिटरिंग होनी चाहिए, काम में देरी



या लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जो ठेकेदार सही तरीके से काम नहीं कर रहे हैं उन्हें ब्लैकलिस्ट करें। सड़कों के निर्माण और मम्मत का काम प्राथमिकता से किए जाएं। कलेक्टर साहू ने जिले के विभिन्न सड़कों में चल रहे निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा करते हुए ठेकेदारों से अब तक के प्रोग्रेस और आगे के काम के बारे में जानकारी ली। उन्होंने रायगढ़ से पूंजीपथरा और घरघोड़ा व धरमजयगढ़ मार्ग के साथ एट्टे से छाल मार्ग में अब तक हुए कार्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्य के दौरान ट्रैफिक मैनेजमेंट को

मध्य सोल्डर तथा डब्ल्यूएमएम का कार्य चल रहा है, शीघ्र यहां डामरीकरण का कार्य शुरू होगा। पूंजीपथरा से रायगढ़ के बीच कुछ स्थानों पर भी स्क्रैपिंग तथा बेस का कार्य चल रहा है। छाल से घरघोड़ा मार्ग में नाली निर्माण तथा डब्ल्यूएमएम, रिटैनिंग वॉल इत्यादि का कार्य प्रगति पर है, शीघ्र यहां डामरीकरण का कार्य शुरू कराया जाएगा। घरघोड़ा से लैलंगा में डामरीकरण का कार्य प्रगति पर है। खरसिया से छाल मार्ग पर लेवलिंग का कार्य चल रहा है। हाटी से धरमजयगढ़ मार्ग पर सबग्रेड तथा बेस निर्माण का कार्य प्रगतिरत है। पथलगांव से धरमजयगढ़ मार्ग पर सड़क की स्क्रैपिंग तथा बेस का काम किया जा रहा है। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अंबिनाश मिश्रा, नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, अपर कलेक्टर राजीव पांडे, ईई पीडब्ल्यूडी आर.के.खांबरा सहित अन्य निर्माण विभाग के अधिकारी व ठेकेदार उपस्थित रहे।

गांव की परंपरा और सहभागिता से सफल हो रहा पैरादान महाभियान- कलेक्टर

कलेक्टर साहू पहुंची बनौरा गौठान, पैरादान के लिए किसानों को किया प्रेरित

लॉर्डिंग के धान उपार्जन केन्द्र का किया औचक निरीक्षण, धान बेचने आए किसानों से की चर्चा

धान खरीदी से संबंधित शिकायतों के लिए जारी हुआ नंबर 07762-222550

रायगढ़। कलेक्टर रानू साहू आज ग्राम बनौरा स्थित गौठान पहुंची। गौठान में आयोजित पैरा दान महाभियान कार्यक्रम में उन्होंने पैरा दान की अपील करते हुए कहा कि अन्य राज्यों में पैरा को जला दिया जाता है, जिससे प्रदूषण के साथ मिट्टी की उर्वरा शक्ति खत्म होती है, अतः आप पैरा दान करें इससे प्रदूषण के साथ खेतों की उर्वरा शक्ति बनी रहती है। उन्होंने कहा कि दान किए पौ को पशुओं को खिलाने के अलावा



स्व-सहायता समूहों के विभिन्न गतिविधियों जैसे वर्मी खाद एवं मशरूम उत्पादन में सहयोग मिलेगा। जिससे महिलाओं की आर्थिक गतिविधियों का संचालन भी होता रहेगा। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अंबिनाश मिश्रा भी उपस्थित रहे। कलेक्टर साहू ने कहा कि गांव की सहभागिता की परम्परा का परिणाम है कि आज किसानों द्वारा 15 ट्रेक्टर में पैरा लेकर दान को पहुंचे है। उन्होंने पैरादान की श्रेणियों को धन्यवाद दिया और उन्हें शीकल देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि समूह की महिलाओं को पैरा दान के लिए किसानों को प्रेरित करें, उन्होंने कहा कि कई कार्यों में प्रेरणा काम आती है। आज राज्य

में गौठानों के माध्यम से महिला समूह को जमीन मिलने के साथ सब्जी, चागागाह, पशुपालन जैसे विभिन्न गतिविधियों को संचालन किया जा रहा है। जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो रही है, जिस राशि का उपयोग समूह की महिलाएं खेती-किसानी, शादी-ब्याह में उपयोग कर रही है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल, जिला पंचायत सदस्य संगीता गुप्ता, सरपंच कार्तिक दाम, उपसंचालक कृषि हरीश राठौर एवं बिहान की महिलाएं उपस्थित थीं। कलेक्टर ने धान उपार्जन केन्द्र लोर्डिंग का किया औचक निरीक्षण। कलेक्टर साहू ने आज लोर्डिंग स्थित धान उपार्जन केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धान खरीदी मात्रा की जानकारी ली, समिति प्रबंधक द्वारा बताया गया कि 2 हजार 6 सौ किंवटल से अधिक धान की खरीदी की जा चुकी है। उन्होंने धान बेचने आए ग्राम बेलायिया के किसान तोषार

से चर्चा किए, उन्होंने बताया कि सात एकड़ खेत है और 200 बोरा धान बेचने आया है। यहाँ किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है। इसी प्रकार किसान नरोत्तम प्रधान से चर्चा से पता चला कि वो आज 140 बोरा धान बेचने आए हैं। इस दौरान कलेक्टर साहू ने धान की नमी मापन एवं धान का तौल करवाया, जो सही पाया गया। कलेक्टर साहू ने समिति प्रबंधक को नियमित टोकन काटने और रिपोर्ट संबंधित अधिकारी को भेजने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर साहू ने किसानों के धान खरीदी से संबंधित शिकायत नंबर जारी करने के निर्देश दिए। धान खरीदी संबंधी शिकायत के लिए नंबर जारी। कलेक्टर साहू के निर्देश पर धान खरीदी संबंधित शिकायत के लिए 07762-222550 नंबर जारी किया गया है। इसके अलावा किसान व्हाट्सअप नंबर 7974243229 के माध्यम से शिकायत कर सकते हैं। किसान प्रातः 9 बजे से संध्या 7 बजे उक्त नंबर पर अपनी शिकायत कर सकते हैं।

जिला स्तरीय छत्तीसगढ़ युवा महोत्सव का आयोजन कल

रायगढ़। जिला स्तरीय छत्तीसगढ़ी युवा महोत्सव का आयोजन 3 दिसम्बर 2022 को पूर्वाह्न 11 बजे से रायगढ़ स्टेडियम बोईदादर में होगा। जिसमें 15 से 40 वर्ष एवं 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के युवा भाग लेंगे।

सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तरीय छत्तीसगढ़ी युवा महोत्सव में लोकनृत्य, लोकगाँत, एकांकी नाटक (हिन्दी भाषा, छत्तीसगढ़ी भाषा), शास्त्रीय गायन (हिन्दुस्तानी/कर्नाटक शैली), सितार वादन, बांसुरी वादन, तबला वादन, वीणा, मृदंगम, हारमोनियम (शास्त्रीय वादन), गिटार (भारतीय/पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), (ओडिसी) शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौड़, पारम्परिक वेशभूषा, फूड फेस्टिवल, चित्रकला (छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर), वाद-विवाद (तात्कालिक एवं समासायिक विषयक), विजय, निबंध, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती के अलावा मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को शामिल किया गया है। सभी विकासखंडों से पाश्चात्य शैली), मणिपुरी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुडी, शास्त्रीय नृत्य, तात्कालिक भाषण विधायां शामिल है। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाएं को भी शामिल किया गया। इनमें सुआ, पंथी नृत्य, करमा नाचा, सरहुल, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौरा, गेड़ी दौ